सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, | जुलाई-अगस्त, 2015

यीशु के साथ रहना भला है।

'यीशु छः दिन के बाद पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लेकर, एक ऊँचे पर्वत पर एकान्त में आए; और उनके सामने उसका रूपान्तर हुआ। और उसके वस्त्र इतने चमकदार तथा सफेद हो गए जितना कि पृथ्वी पर कोई धोबी सफेद नहीं कर सकता। और मूसा के साथ उन्हें एलिय्याह दिखाई दिया, और दोनों यीशु के साथ बातचीत कर रहे थे। पतरस ने यीशु से कहा, 'हे रब्बी, हमारे लिए यहां रहना अच्छा है; अतः हम तीन मण्डप बनाएं, एक तेरे लिए, एक मूसा के लिए, और एक एलिय्याह के लिए।' क्यों कि वे बहुत डर गए थे, वो नहीं जानता था कि क्या कहे,। तब एक बादल आया जिसने उन्हें घेर लिया, और बादल में से यह आवाज आई, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो।' और उन्होंने सहसा चारों ओर दृष्टि की तो अपने साथ यीशु को छोड़ अन्य किसी को न देखा।'

यीशु के साथ... पृष्ठ 3 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

Star Utsav

चैनल पर

हर **रविवार सुबह 7:30 से 8:00** बजे

शरीर से कुछ लाभ नहीं

'आत्मा ही है जो जीवन देता है, शरीर से कुछ लाभ नहीं। जो बातें मैं ने तुम से कही हैं, वे आत्मा और जीवन हैं।' यूहन्ना (6:63)

व्यावहारिक जीवन के कुछ मूलभूत विचार या अवलोकन आदमी समझ नहीं पा रहा है। यह सिर्फ इसलिए कि वह उन बेस्वाद तथ्यों को जानना ही नहीं चाहता है। इसलिए वे अपने आप पर और अपने शरीरों के साथ अनेक प्रयोगों में लगे रहते हैं।

यीशु द्वारा कही गयी कई बातों को लेकर उनके पीछे चलने वाले कई अनुयायी शिकायतें करने लगे - वे वहाँ सिर्फ अच्छे समयों के लिए और सनसनीखेज़ चमत्कार जो यीशु करते थे उन्हें देखने में रुचि रखने वाले है। आध्यात्मिक सत्य उनको पचती नहीं थीं।

जब यीशु ने पाया कि उनके पीछे चलने वाले इन चेलों को समझ नहीं है, तब उन्होंने कहा: 'तुमको जागृत करके जीवन देने वाले, पवित्र आत्मा की जरूरत है। और अगर तुम हर विषय को शारीरिक नज़र से देखना चाहते हो, तो तुमको आध्यात्मिक रूप से कोई लाभ ना होगा।' 'शरीर से कुछ लाभ नहीं।' (यूहन्ना 6:63) शरीर से सम्बन्धित विचार, शारीरिक इच्छाओं में मग्न होने की लगातार लालसा, कामुकता से भरी पत्रिकायें और अश्लील चित्रों को देखकर भूख मिटाने का प्रयास करने वाले कई लोगों को, नैतिक रूप से अविश्वसनीय और मानसिक तौर पर अस्वस्थ बना दिया है। अपने दैनिक कार्यों को पूरा करना भी, उनको मुश्किल लगता है। उनकी नसें कमजोर हो गई हैं। उनको नींद नहीं आती। और वे अपने आपे में नहीं रहते है।

मेरे एक आंग्रेजी दोस्त जो अफ्रीकी 'जूलू' जनजाति में पला-बढ़ा था, उन्होंने कहा: 'वहाँ के नौजवान, एक बेबस, वृद्ध महिला को लूटना या उसपर अत्याचार करना, कभी सोच भी नहीं सकते।' मगर यूरोप और अमेरिका के कई शहरों में ऐसा आसानी से हो सकता है। यह कितनी दुःखद स्थिति है!

मेरे अपने देश में, जनसमूहों पर सिनेमा के प्रभाव को देखकर मैं भौचक्का हो जाता हूँ। लगता है कि सिनेमा उनके दिमाग का मूल जीवनाधार है। उनके विचारों में फिल्में भरी हुई हैं। सडकों पर उसकी नकल करते हैं। अभिनेताओं के जैसे वेषधारण करते है। उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली को भी बहुत नज़दीकी से नकल करने की कोशिश करते रहते है, जैसे कि

उनकी तरह, कई लोगों के साथ शारीरिक संबन्ध रखना, तलाक और घरेलू हिंसा की नकल करना। ये लोग मनो विक्षिप्त संतति है और नैतिक रूप से डाँवाडोल रहते है।

'शरीर से कोई लाभ नहीं।' जो आदमी यीशु के क्रूस की ओर भागता है और वहाँ अपने अंदर दबी हुई लालसाओं के आवेश से छुटकारा पाता है, ऐसा आदमी कितना बुद्धिमान है। इसके बाद, आदमी जिसका समय और ताकत, रचनात्मक और अर्थपूर्ण लाभों और लक्ष्यों के लिए निर्मुक्त होता है, वैसा आदमी धन्य है।

मगर ऐसा व्यक्ति जो नौ से लेकर नब्बे साल तक नाजायज संभोग और अपवित्रता में तल्लीन हो कर घिनौनापन में जीता है, वह अपने परिवार और समाज के लिए भी एक श्राप है।

मगर भयानक व्यर्थता, दुर्गति और मानसिक व्यथा का शरीर-प्राबल्य जीवन से, सामर्थ और सार्थक जीवन की तरफ फिरना, सिर्फ इच्छा करने से हासिल नहीं होता। वह क्रूस के पास गहरी रूप से पश्चाताप करने से ही मिलता है, जो कई लोगों को गुमराह करने के दोष से आजादी और रिहाई दिलाने वाला है।

हमारे चिकित्सालयों में जहाँ कई लोगों का ध्यान रखा जाता है, उनको मुझे आम निर्देश देना पडता है। और फिर कई डॉक्टर, नर्स और मेडिकल विद्यार्थियों को भी परामर्श करने के कारण, वैद्य-जगत से मेरा काफी सम्पर्क बना रहता है। मैं ने यह पाया है कि अति भयानक कामुक उन्मत लोग जो जीवित है, डॉक्टरों के बीच में पाये जाते है।

यूरोप में, एक स्त्री ने मुझे बताया कि जब उसके डॉक्टर ने उसके साथअनैतिक काम करने की कोशिश की, तो उसने उसका प्रतिरोध किया था। मगर अपनी हिफ़ाजत रखने में असफल, एक छोटे बच्चे की वह माँ जल्द ही उस डॉक्टर की मरीज और वासना का शिकार भी बन गई। अब उसका परिवार उजड़ने वाला है।

'शरीर से कुछ लाभ नहीं।' यह कितनी दुःखद और अनर्थ बात है कि आदमी अस्थायी चीज़ों के लिए बेहद थकाऊ, एक-तरफी प्रयास में लगे रहते है। और अनन्त कालीन मामलों की तरफ पूरी तरह से लापरवाही करते है।

यह देह, परमेश्वर की दी हुई अल्प समय के लिए तुम्हारी संपत्ति है। उसका ख्याल रखना है। और जब आप देह में हो, वो सनातन जीतों को हाँसिल करने के लिए तुम्हें दी गई है।

विश्वविद्यालय के जवाब-पत्री पर उलटा-सीधा नहीं लिखते और न उसे फाड़ते है। अगर वह पास होना चाहता है, तो हर एक पन्ने का बहुत सावधानी से उपयोग करता है और अच्छे अंक पाने के लिए कड़ी मेहनत करता है। अपनी देह में जीवित रहना, आशीष बनने का बहुत बड़ा अवसर है। यीशु मसीह तुम्हें, आत्मा, प्राण और शरीर में परिपूर्ण करने के लिए मरे हैं, यह एहसास होने से, आपका शरीर आपके लिए अनमोल बन जायेगा। तब अपने शरीर की पूरी ताकत को, यीशु को समर्पित करने से कुछ कम नहीं करोगे। उसकी ताकत, जीवन शक्ति और संभोग का पवित्र कार्य, सब यीशु के चरणों में रख देना है। तब उदारता से अपने शरीर की ताकत को खर्च करने के लिए आप हर समय तैयार रहोगे। इस तरह जब आप यह समझ जाते हो कि अपका शरीर परमेश्वर का एक साधन या वाहन है जिसके जरिए वह काम करते हैं, तब आप वास्तविक अर्थ से उसकी हिफाज़त करोगे। तब उस पर यह निशान होगा, 'आरक्षित' - 'यीशु के लिए आरक्षित' जैसे वह चाहे उससे काम कराने के लिए अलग किया हुआ होगा।

जब आप अपने मानसिक और शारीरिक ताकत को यीशु के नियंत्रण में रखते हैं, तो असामान्य लाभ पाने के अवसर आएँगे। शक्ति, समय, मानसिक तथा भौतिक घिस-पिस से कैसा बचाव संपन्न होगा!

जब एक आदमी या औरत में शरीर की लालसा प्रबल होती है, जल्दी ही आप उनके चहरे पर यह देख पाओगे। धँसें गाल, आखों के नीचे काले घेरे, क्लांत और थके हुए दिखना अपने आप ही यह जाहिर करता है। जब आदमी हमारे शहरों का घिनौना, तेज़ और अनैतिक जीवन जीते है, तो ताजा खिला हुआ उनका यौवन कितनी तेजी

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

से गायब हो जाता है। औरतों में, उनकी आकृति कितनी तेजी से बिगड़ जाती है।

शरीर से लाभ नहीं है। एक नौजवान जिसको मैं जानता था, उसके हस्त-मैथुन के कारण अपने स्वास्थ को बहुत नुकसान पहुँचवाया था। तब वह मन लगा कर काम करने में असमर्थ हो गया था। तब वह ऐसा बन गया, मानो एक पागल आदमी की तरह भटकता रहता। मैं इस नौजवान की मदद नहीं कर पाया। उसने जानबूझकर मुझे सच नहीं बताया और अपने पापों को कबूल नहीं किया था। इस तरह का शायद यह एक मात्र किस्सा है जिसका मैं ने सामना किया था। और मुझे बहुत दुख होता है कि उसे समय पर बचाने में मैं विफल हो गया था।

प्रिय जनों, परमेश्वर और उनके प्रेममय नियमों से खिलवाड़ करने की कोशिश ना करो, जो आपकी रक्षा करने और आपको खतरों से बचाने के लिए ही वहाँ है।

अब बाइबल कहता है: 'अब शरीर के काम स्पष्ट हैं, अर्थात व्यभिचार, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादूटोना, बैर, ... ईर्ष्या, मतवालापन, रंगरेलियां तथा इस प्रकार के अन्य काम है।' (गलातियों 5:19-21)

जब लोग अपने मन और शरीर को शैतान के हाथों में सौंपते है, तब वे सामूहिक विनाश के हथियार बन जायेंगे। इस शारीरिक स्तर के जीवन में घसीट कर बाँधने के लिए शैतान लगातार कोशिश कर रहा है। आखों के फाटक (जाँन बनियन आँखों को ऐसा कहकर बुलाते थे) के द्वारा प्रवेश करके, राजा दाऊद को उसने इतना नीचे गिराया कि वह व्यभिचार में गिरा था। मगर दाऊद ने अपने आप को दीन किया और फिर से ऊपर उठा।

वो आदमी, जिस में शरीर की लालसा प्रबल हो, अपने आप को दीन करना और अपने पापों के लिए पश्चाताप करना, इस विचार पर अमल करना उसके लिए बहुत मुश्किल होगा। शैतान फुसफसाता है: 'तुम्हारी बहुत बेज़्ज्ती होगी, इससे तो यही अच्छा होता कि तुम आत्महत्या कर लो।'

नहीं, उसकी मत सुनना। एक गड्ढ़े में गिरे हुए आदमी से यीशु कभी नहीं कहते, 'अब, देख तुमको गिरना नहीं चाहिए था।' यीशु नीचे झुककर, ऐसे आदमी को ऊपर उठाकर, उसे शुद्ध करके, अपने बगल में अपने सिंहासन पर बिठाते है।

शारीरिक जीवन आपको विवश कर देता है। अब प्रभु यीशु आप में शक्तिशाली भाग जो आत्मा है, उसे जीवित करते है। फिर आपके आत्मा से बात करके, आपको सशक्त बना देते है।

हर समय कितने लोग है जो अपनी निराशा के और आत्महत्या के अंधकारमय विचारों से छुटकारा पाकर, परमेश्वर के आत्मा के द्वारा, शान्ति और आनंद के जीवन में अगुवाई पा रहे हैं। अब प्रिय जनों, यीशु आपको ऊपर उठाकर, आपका आत्मा, प्राण और शरीर के सामर्थों को सही दिशा में अगुवाई करना चाहते हैं, उन्हें ऐसा करने देना।

- जोशुआ दानिएल।

यीशु के साथ... पृष्ठ 1 से

(मरकुस 9:2-8)

'हे गुरु, हमारे लिए यहां रहना अच्छा है।' पुराने सन्तों के साथ-साथ यीशु को उनकी स्वर्गीय महिमा में देखने पर, सभी लोगों का यही निष्कर्ष होगा। अंत में हम उसी नतीजे पर आयेंगे कि यीशु के साथ रहना अच्छा है। जब यीशु ने पाँच हजार लोगों को रोटी खिलायी और अन्य अद्भुत चमत्कारों को किया था, पतरस यीशु के साथ था। मगर तब उसने नहीं कहा था, 'यहीं रहना अच्छा होगा।'

जब पतरस ने इस प्रार्थना के स्थान को देखा जहाँ स्वर्ग और धरती दोनों आपस में मिल रहे थे, उसने हमेशा के लिए वहाँ रहना चाहा। उसने उस नए आकाश और नयी पृथ्वी की महिमा को देखा। उस आनंद को वह हमेशा बनाये रखना चाहता था। वह सिर्फ तीन मण्डप बनाने की ही सोच पाया। अगर हम स्वर्ग को एक बार देखें, तो फिर हम इस दुनिया में नहीं रहना चाहेंगे।

पतरस, यीशु के साथ, तूफान में और पानी पर चल पाया था। मगर क्रूस के समय वह उनके साथ नहीं रह पाया। उसने यीशु का इनकार किया था। रुपान्तरण के पर्वत पर पतरस यीशु के साथ था। परमेश्वर स्वर्ग का एक दर्शन हमें दे सकते है। मगर मसीह के साथ कष्ट उठाना अच्छा है। हम में से कितने लोग मसीह के साथ क्रूसित होने के लिए तैयार हैं? फिर भी पतरस ने चाहा था कि यीशु के क्रूस पर चढ़ाने के दिन उनके साथ रहे। मगर उस में उतना विश्वास नहीं था। एक लड़की की पूछताछ ने उसको डरा दिया क्योंकि उसने प्रार्थना नहीं की थी। रूपान्तरण के पर्वत पर यीशु के साथ रहना अच्छी बात है। मगर सलीब के पर्वत पर यीशु के साथ रहना उस से भी बढ़कर अच्छा है। क्योंकि ऐसा करने से तुम हमेशा यीशु के साथ रहोगे। महिमा को मत चाहना। कीलों को चाहना और क्रूस को चाहना। जो प्रार्थना के पर्वत पर ऊपर चढ़ते जाते हैं वे क्रूस के पर्वत पर भी चढ़ते जायेंगे। और वे उनके साथ स्वर्ग में चढ़ते जायेंगे। परमेश्वर के बच्चों को हमेशा सर्वोत्तम ही दिया जायेगा।

- एन. दानिएल।

परमेश्वर का दिल में आना

परमेश्वर दिल में आने के लिए तैयार है, जैसे कि रोशनी खुले हुए कमरा में अपना प्रकाश फैलाने के लिए तैयार है। -ऐमी कारमाइकल

कोरी टेन बूम, एक डच मसीही सार्वजनिक वक्ता है। उन्होंने नातसी(हिटलर कैंप) यातना शिविर में बहुत सताव झेला था। एक दफा वो लंदन मानसिक संस्था में एक महिला से मिलने गयी। उस महिला ने अपने पति की मृत्यु के बाद, अपने दिल में घृणा को स्थान दिया था। फिलिस्तीन में अपने घर पर, एक यहूदी बम गिरने से उनका देहान्त हुआ था। कोरी ने ज्ञान और प्रेम के लिए प्रार्थना की।

'मैं ठीक जानती हूँ कि आप मुझ से क्या कहने वाले हो, मुझे प्रार्थना करनी चाहिए।' उस औरत ने कहना शुरू किया, 'मगर मैं प्रार्थना नहीं कर पा रही हूँ।'

'अब बाद में आप क्या कहने वाले हो, वह भी मैं ठीक से जानती हूँ, मुझे अपने दिल से घृणा को निकालना है, क्योंकि तभी दुबारा मैं प्रार्थना कर पाऊँगी।'

'आप से ऐसा किसने कहा?'

'पादरी जी ने।'

कोई संदेह नहीं कि यह पादरी अब भी सिर्फ एक नौजवान ही हो। अब तक उसे यह नहीं पता कि घृणा का यह दानव कितना बलवान है। मगर आप और मैं जानते है। एक दफा मैं अपनी बहन के साथ एक यातना शिविर में थी। जब उन्होंने मुझ से बहुत क्रूरता से बरताव किया था, मैं उसको सहन कर पायी थी। मगर जब मैं ने देखा कि वे मेरी बहन को पीटना चाहते है क्योंकि रेत की खुदाई करने में वह बहुत कमजोर थी, तब मेरे दिल में नफ़रत ने प्रवेश करने की कोशिश की। और तब मैं ने एक चमत्कार का अनुभव किया। यीशु ने मेरे दिल में प्यार बोया और तब घृणा के लिए कोई जगह नहीं बची। वह एक मात्र चीज़ आप जो कर सकते हो, वो है उस प्रेम के लिए अपने मन को खोलना। वह प्रेम एक यथार्थ है। अगर एक कमरा अंधकार से भरा हो और बाहर सूरज चमक रहा हो, क्या मुझे उस अंधकार को झाड़ू से साफ करना पड़ेगा? बिलकुल नहीं! मुझे सिर्फ पर्दों को हटाना पड़ेगा। और कमरे में रोशनी भरते ही, अंधकार गायब हो जायेगा।'

कोरी ने उस औरत के साथ घुटने टेक कर प्रार्थना की, 'प्रभु, हम कमज़ोर हैं, उस घृणा के दानव से भी कमज़ोर हैं। मगर आप उस घृणा के दानव से शक्तिशाली हो। अब हम अपने दिलों को आप के लिए खोल रहे हैं। और हम आप को धन्यवाद देते है क्योंकि आप उन में प्रवेश करने के लिए तैयार हो। जैसे की सूर्य एक कमरे को अपनी रोशनी से भरने के लिए तैयार है, जो उसका प्रकाश पाने खुला है।'

एक हफ्ते के बाद उस औरत को उस पागलखाने से छुट्टी दे दी गई। उसका दिल परमेश्वर के प्रेम से भरा गया था।

- 'कोरी टेन बूम: टू स्टोरीस ऑफ दा पावर ऑफ फरगिवनेस' देखे।

सत्य की परख!

' तू सम्पूर्ण हृदय से यहोवा पर भरोसा रखना, और अपनी समझ का सहारा न लेना। उसी को स्मरण करके अपने सब कार्य करना, तब वह तेरे लिए सीधा मार्ग निकालेगा। अपनी दृष्टि में तू बुद्धिमान न बनना। यहोवा का भय मानना, और बुराई से विमुख रहना।' (नीतिवचन 3:5-7)

मसीह में आज़ादी

आजाद लोगों से नफ़रत:

पंछी! निक्की उनसे नफ़रत करता था। वे कितने आजाद हैं। स्वतंत्र लोगों से वह कितनी नफ़रत करता था। डेविड ह्विल्कर्सन - वही प्रचारक जिसने उस से कहा था, ' निक्की, यीशु तुम से प्रेम करते हैं' - वह भी तो आजाद था। इस्राएल, जो उसका एक अच्छा दोस्त है, वह भी उस आजादी पाने के बहुत नजदीक है, निक्की को यह आभास हो रहा था। उस पंछी जिसको वह अब पकड़े हुए था - उसके कमरे के ऊपर छत पर जो कबूतरों का पिंजरा था, उस में से उसने एक पंछी को झपट लिया था - वह पंछी भी आजाद है। मगर निक्की अब भी अपने भय और कड़वाहट के पिंजरे में फंसा हुआ है।

निक्की ने पंछी के सिर को कसकर पकड़ा और धड़ से अलग खींच

रहा था। 'मैं डरता नहीं हूँ।' उसने कहा। और वह अपना नियंत्रण खो बैठा था। उस पंछी के सिर को चीर कर अलग कर दिया और चिल्लाने लगा, 'अब, तुम भी आजाद नहीं हो। कोई भी आजाद नहीं है।'

निक्की गुमराह है। ब्रुकलिन के महोल्ले में 'मौ मौ' नामक गिरोह का नेता बने हुए वह भटका हुआ था। नशीले पदार्थ, शराब और नृशंस हिंसा में वह खोया हुआ था।

सन 1958 जुलाई का महीना, इस्राएल ने निक्की को, 'सेंट निकोलस परिसर' में ह्विल्कर्सन द्वारा आयोजित सभाओं के बारे में बताया। इस्राएल ने ह्विल्कर्सन को सूचना दी थी कि 'मौ मौ' के लोग सुनिश्चित वहाँ पहुंचें, वह स्वयं इस बात को निश्चित करेगा। निक्की डर गया। वह पीछे मुढ़कर जाने लगा। तब इस्राएल ने उसकी कमजोरी पर प्रहार करते हुए कहा, 'क्यों, तुम बुजदिल नहीं हो, है ना?' 'निक्की किसी से नहीं डरता,' उत्तर आया, '..... उस दुबले प्रचारक से या तुमसे या परमेश्वर से!' मगर निक्की ने कई लोगों को, अपने घुटनो के बल गिरकर दीन होते देखा था। सिर्फ वहाँ से भाग जाना ही वह जानता था। मगर इस्राएल की चुनौती उसका सामने आई। निक्की नहीं चाहता था कि उसका भय जाहिर हो।

डर, निक्की डर गया था। कहीं ऐसा ना हो कि कुछ या कोई, जो उससे अधिक सामर्थ्यशाली हो, लोगों के सामने, उसे अपने घुटनों के बल नीचे गिरा दे और वह रो पड़े। आठ साल की उम्र से अब तक वह कभी नहीं रोया था।

आज़ाद लोगों को देखना:

सभा की उस रात, उसके गिरोह के लोग उस बस पर चढ़ गये, जो उनको परिसर लेकर जाती है। कान के परदे फाड़ने वाला शोर मचा था। मौ मौ की वर्दी पहन कर, उस गिरोह के लोगों ने अपने हाथों में बेंत लिए चिल्लाते, भीड़ के उपर सीटी बजाते हुए डींग हांकते वहाँ प्रवेश किया।

जब प्रचारक ह्विल्कर्सन ने प्रवेश किया, तो निक्की के दिल की धड़कन मानो एक पल के लिए थम सी गई। और फिर से, वह भय, उस पर छा गया। 'हे डेवी! मैं आ गया हूँ, देख, मैं आऊँगा, मैं ने ये कहा था ना,' इस्राएल ने कहा, 'और देखो यहाँ कौन आये है,' निक्की की तरफ इशारा करते कहा।

निक्की में भय और गहरा हो गया। वह उठ खड़ा हुआ और जोर से, 'क्यों पादरी जी! क्या करने वाले हो, हमारा धर्म परिवर्तन... या और कुछ?'

ह्वल्कर्सन ने उपदेश देना शुरू किया। उन्होंने कुछ इस तरह कहा, 'नगरव्यापी स्थानीय युवाओं के इस सम्मेलन की आज आखरी रात है। आज रात, हम कुछ अलग करने वाले है। मैं अपने दोस्तों मौ मौ से विनती करने वाला हूँ कि वे अर्पण पात्र में अर्पण लेने की जिम्मेवारी लें।' लोग हँसने और शोर मचाने लगे। फिर भी निक्की एक ही पल में अपने पैरों पर खड़ा हो गया।; उसके साथ अपने गिरोह के पाँच और लोग, वह सच में ऐसा करने वाला था।

कुछ सही काम किया है, इस बात ने निक्की को संतुष्टि का अभास दिलाया। पहली बार उसने कुछ अच्छा किया, क्योंकि वह चाहता था कि सही काम कर पाये। आज के अनुभव का यह एहसास उसे अच्छा लगा। उस में कुछ जी उठा और वह उसके अंदर बढ़ रहा था। अच्छाई, सही और नेकी का यह नया एहसास था।

पीछे कुछ हलचल ने निक्की के इन विचारों को टोक दिया। ह्विल्कर्सन भीड़ से कह रहा था कि वे एक दूसरे से प्रेम करें। प्युटो-रिकन का इटली वालों से, इटली के लोग काले लोगों से, काले लोग गोरे लोगों से - सब एक दूसरे से प्रेम करें। अंर्तजातीय द्वेष भड़क उठा। और एक ज़बर्दस्त दंगा होने पर था।

इस कोलाहल के बीच में, निक्की ने मज़बूरन ह्विल्कर्सन की तरफ देखा। वह मंच पर शान्त खड़ा था, हाथों को सामने जोड़े और सिर झुकाये थे। उनके होंठ हिल रहे थे - वे प्रार्थना कर रहे थे।

उनको कहाँ से यह सामर्थ्य मिली? दूसरों की तरह वह क्यों नहीं डरा हुआ था? निक्की को शर्मिंदगी, लज्जा और दोष का एहसास हुआ। जो कुछ भी इस आदमी को देख कर सीखा, सिर्फ उतना ही निक्की, परमेश्वर के बारे में जानता था।

निक्की कंधे झुकाये अपनी कुर्सी पर बैठ गया। हलचल जारी है। मगर इस्राएल पीछे देखते खड़ा हो गया। 'सब शान्त हो जाओ।' वो चिल्लाया, 'प्रचारक को क्या कहना है पहले हम सुन ले।'

मौ मौ के लोग बैठ गये। इस्राएल सब को चुप कराने के लिए चिल्ला रहा था। शोर थम गया। उस अखाड़े में खामोशी छा गई।

निक्की को कुछ हो रहा था। वह याद कर रहा था - अपना बचपन, अपनी माँ की घृणा, न्यूयार्क में उसके पहले दिन, जब वह पिंजरे से बाहर आये एक जंगली जानवर की तरह दौड़ाता था। एक चलचित्र की तरह, उसके सारे काम आखों के सामने दिखाई दे रहे थे - लड़कियाँ, उसकी कामुकता, उसका संभोग, छुरा मारके प्रहार करना, ठेस और घृणा। यह सब शायद ही वह सहन कर पाता। दोष और शर्मिंदगी का एहसास उस में बढ़ गया। अपने अंदर जो उसने देखा वह घिनौना था। वह अपनी आखों को खोलने से डर रहा था कि कहीं ऐसा ना हो कि कोई उसके अन्दर झाँक ना ले।

आजाद हो जाना:

ह्विल्कर्सन दुबारा उपदेश देने लगे। पापों के लिए पश्चाताप करने के बारे में कुछ कह रहे थे। निक्की, सर्वशक्तिमान के सामर्थ्य के प्रभाव के तले था और वह उसका प्रतिरोध नहीं कर पाया। वह समझ नहीं पाया कि उसके अंदर क्या हो रहा है, मगर उसका भय चला गया।

लोग रो रहे थे। मानो हवा का झोंका उस विशाल अखाड़ा पर से गुज़रा हो।

ह्विल्कर्सन दुबारा बोलने लगे। 'वह यहाँ है! वह इस कमरे में मौजूद है। वह खास आप के लिए आये है। अगर आप चाहते हो कि आपका जीवन बदल जाये, यही समय है।' अधिकार के साथ वो चिल्लाए: 'उठो! जो कोई भी यीशु मसीह को स्वीकार करना चाहते हैं और अपना जीवन बदलना चाहते हैं - खड़े हो जाओ! और आगे आ जाओ!'

इस्राएल खड़ा हो गया और निक्की भी। 'चलो हम चलते हैं।' अपने गिरोह के लोगों से कहा। पच्चीस से भी अधिक मौ मौ के लोग प्रतिस्पन्दित हो गये। सलाह पाने के लिए जब निक्की और इस्राएल पीछे वाले कमरे में जा रहे थे, एक लड़की उनके सामने आ खड़ी हुई। क्या ये लड़कियाँ ईर्ष्या से भर गई?' क्या वे सोचने लगे कि ये लड़के परमेश्वर के साथ अपना प्यार बाँटेंगे, मगर उनका प्यार पूरी तरह से सिर्फ उनके लिए ही हो? प्यार के बारे में वे और निक्की सिर्फ इतना ही जानते थे। फिर भी निक्की की अब सिर्फ यह जरूरत थी कि वह यीशु मसीह का अनुयायी बने - वह यीशु मसीह चाहे कोई भी या कैसा भी हो।

मसीही जीवन शैली के बारे में सुनाने के बाद, ह्विल्कर्सन उस कमरे में आये। 'अब जवानों,' उस ने कहा, 'इसी फर्श पर अभी सब अपने घुटने टेककर बैठो।'

निक्की ने इससे पहले कभी किसी के सामने घुटने नहीं टेके थे। मगर कोई अदृश्य शक्ति उस पर दबाव डाल रही थी और जल्द ही वह अपने घुटनों के बल गिरा।

जब इस्राएल ने आँसू बहाते निक्की की तरफ देखा तो निक्की को पता चला कि वो भी आँखे भरकर, आँसू बह रहा है। वह रो रहा था और वह बहुत खुशी महसूस कर रहा था। जो कुछ भी हो रहा है, उसके ऊपर उसका कोई काबू ना रहा था, मगर इस से वह खुश था।

तब ह्विल्कर्सन ने अपना हाथ निक्की के सिर पर रखा। वह प्रार्थना कर रहा था - निक्की के लिए प्रार्थना कर रहा था। जबकि वह अपने सिर को झुकाये था, बिना रोक टोक के आँसू बहने लगे। शर्मिंदगी और पश्चाताप और उद्धार पाने का वह अद्भुत आनंद, अपने अंशों को मिलाकर उसके आत्मा में समाया।

'आगे बढ़ो, निक्की,' ह्विल्कर्सन ने कहा, 'चलो और परमेश्वर के सामने रोकर अपना सब कुछ उसके सामने उंडेल दो। उनको पुकारो।'

निक्की ने अपना मुँह खोला, मगर बाहर निकलने वाले शब्द उसके नहीं थे, 'हे परमेश्वर! अगर आप मुझ से प्रेम करते हो, मेरी जिन्दगी में आओ। मैं और भागने से अब थक चुका हूँ। मेरे जीवन में आओ और मुझे बदल डालो। कृपया मुझे बदलो।'

निक्की ने अपने आपको स्वर्ग की ओर उठाये जाते महसूस किया। असंख्य अनैतिक जीवन के रोमांच, कुल मिलाने पर भी उस अनुभव की बराबरी नहीं कर पायेंगे। अक्षरशः वह उसका प्रेम में बपतिस्मा था।

निक्की अब नया बन चुका था। ऐसा लग रहा था मानो वह अपने पुराने जीवन के लिए मर चुका है - मगर इस नए तरह के जीवन के लिए वह अब जीवित है।

खुशी, आनंद, हर्ष। रिहाई और राहत। आजादी, अद्भुत, अद्भुत आजादी।

उसने अब भागना छोड़ दिया।

निक्की के सारे भय अब दूर हो गये। उसकी घृणा और उसकी सारी चिंतायें अब दूर हो गईं। अब वह परमेश्वर से प्रेम कर रहा था। यीशु मसीह से प्रेम कर रहा था। अपने चारों तरफ के लोगों से अब वह प्यार करने लगा है। वह अपने आप से भी प्यार करने लगा। वह ह्विल्कर्सन से भी प्यार करता था।

स्वतंत्र रहना:

उस रात, निक्की को वो गलियाँ आकर्षक नहीं लगीं; मौ मौ गिरोह के नेता के रूप से पहचाने जाने की अब उसको जरूरत नहीं है। अब रात से वह नहीं डरता है। वह याद करने लगा कि यीशु उस से प्यार करता है और उसकी रक्षा करेगा। उस रात उसने अपने बिस्तर के बगल में घुटने टेक कर सिर झुकाया। 'यीशु' मुँह से और कुछ नहीं निकल रहा था। 'यीशु' और फिर अंत में यह शब्द आये, 'धन्यवाद, यीशु --- धन्यवाद।'

'क्यों कि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।' (यूहन्ना 3:16)

निक्की क्रूज़ और जेमी बकिंगहाम का 'रन बेबी रन: दा स्टोरी ऑफ निक्की क्रूज़' देखे।